अनाड़ी चरवाहा

जीन बेथेल

चित्र: शेल हैबेर

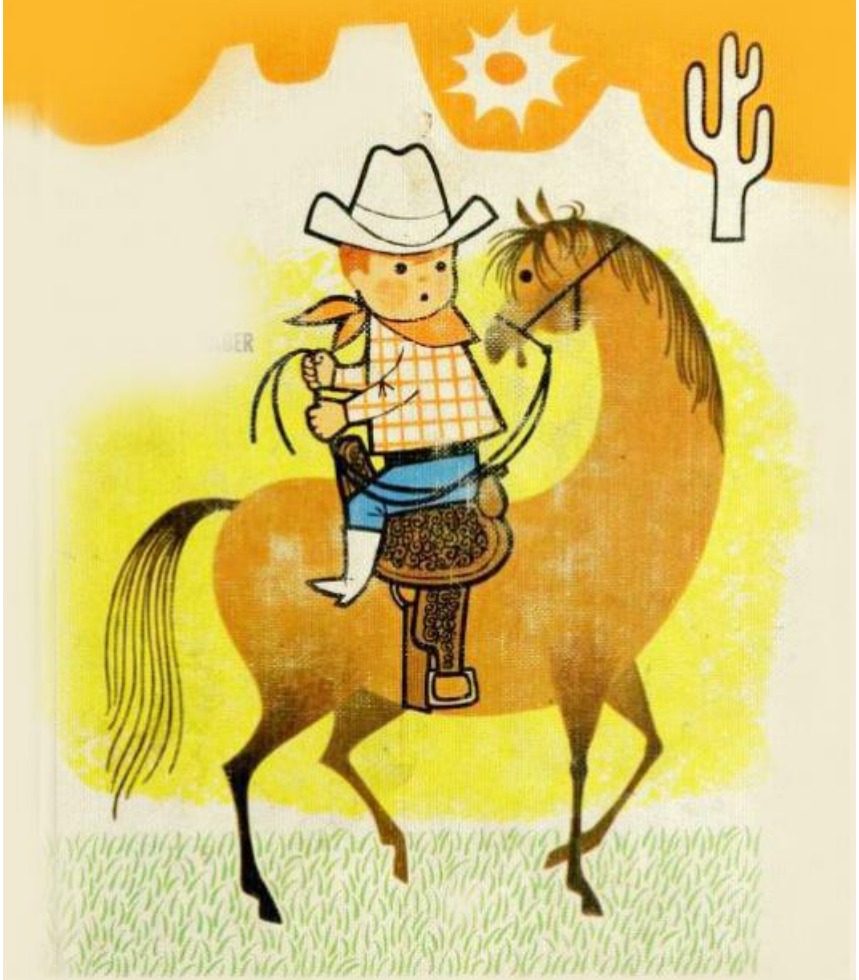

अनाड़ी चरवाहा

जीन बेथेल

चित्र: शेल हैबेर

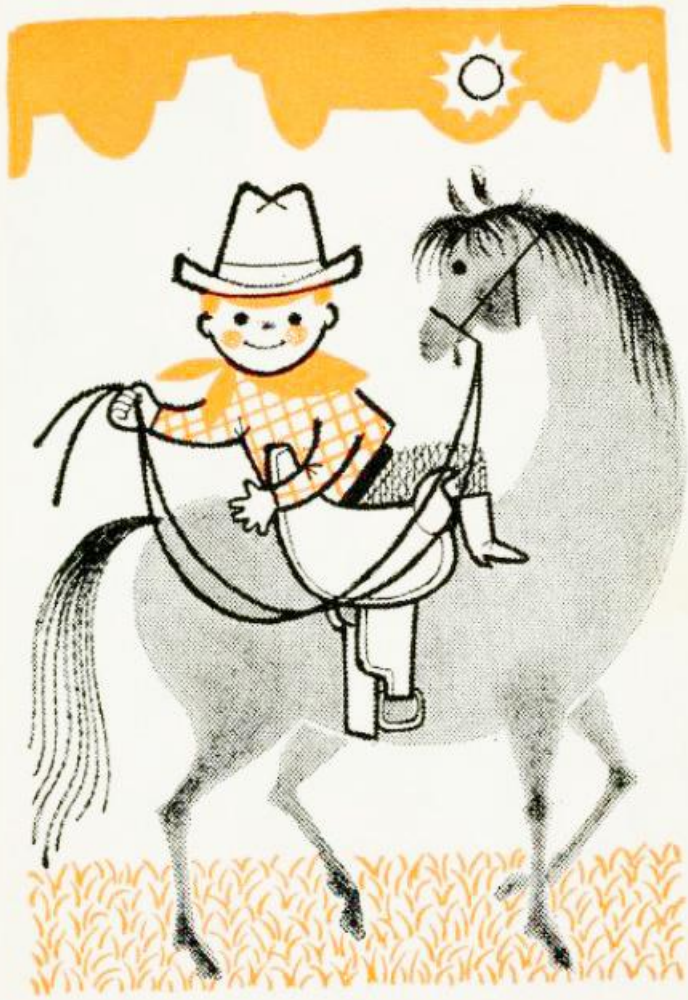

एक बार एक चरवाहा था.

उसका नाम क्लाइड था.

क्लाइड चरवाहा बनकर खुश था.

लेकिन उसकी एक इच्छा थी.

उसकी इच्छा थी कि वो अपने
घोड़े पर सवारी कर सके.

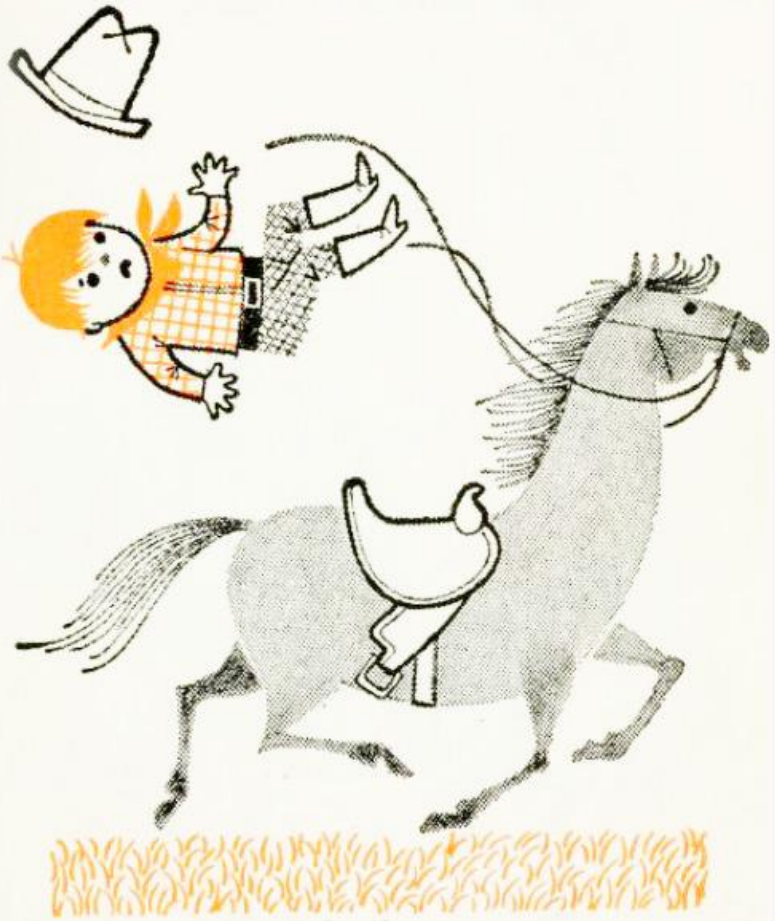

पर जैसे ही घोड़ा दौड़ा,

क्लाइड अपने घोड़े से नीचे गिर गया.

जब घोड़ा भागा,

तब क्लाइड इस तरह गिरा.

जब घोड़ा रुका,

तब क्लाइड इस तरह गिरा.

और एक बार वो तब गिरा

जब घोड़ा शांत खड़ा था!

फिर सबने उसे

अनाड़ी क्लाइड कहकर चिढ़ाया.

इससे क्लाइड बहुत दुखी हुआ.

"कोई तरीका ज़रूर होना चाहिए जिससे मैं घोड़े पर टिका रह सकूं," क्लाइड ने कहा.

"शायद इससे कुछ मदद मिले."

"चलो चलें, घोड़े," उसने कहा.

फिर उसका घोड़ा दौड़ने लगा.

लेकिन क्लाइड घोड़े पर टिक नहीं सका.

"मेरे घोड़े पर टिके रहने का कोई तरीका ज़रूर होना चाहिए," क्लाइड ने कहा.

"शायद इससे मुझे कुछ मदद मिले."

"चलो चलें, घोड़े," उसने कहा.

उसका घोड़ा तुरंत दौड़ने लगा.

लेकिन क्लाइड फिर से गिर गया.

"हे भगवान!" क्लाइड ने कहा.

"मैं शहर तक कभी सवारी करके नहीं जा पाऊंगा,

अब मुझे वहां चलकर ही जाना होगा."

लेकिन उसका एक पैर इस तरफ चला.

और दूसरा पैर उस तरफ चला.

अनाड़ी क्लाइड को देखकर

फिर सब लोग हंस पड़े.

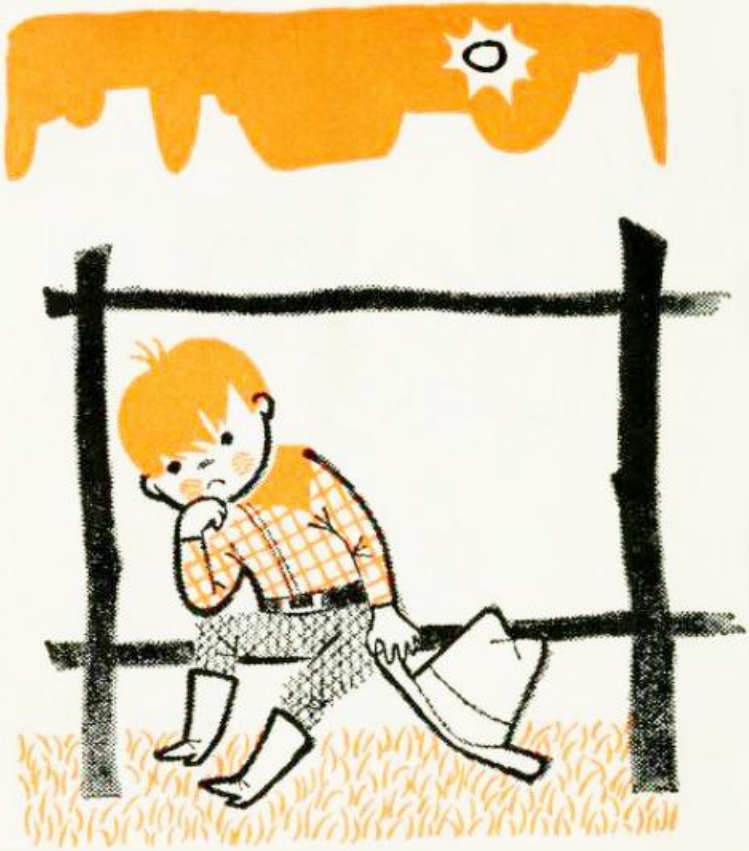

"हे भगवान!" क्लाइड ने कहा.

"मैं घोड़े की सवारी नहीं कर सकता

और अब मैं चल भी नहीं सकता.

अब मैं शहर कैसे जाऊँगा?"

तभी कुछ हुआ

किसी ने उसे हल्का सा धक्का दिया!

वो डेज़ी थी.

बड़ी और मोटी डेज़ी गाय.

क्लाइड ने डेज़ी को देखा.

वो गाय उसे पसंद आई.

डेज़ी ने क्लाइड को देखा.

उसे क्लाइड पसंद आया.

"तुम मेरे लिए एकदम ठीक हो," क्लाइड ने कहा.

"मुझे पता है कि मैं तुम पर सवारी कर पाऊंगा."

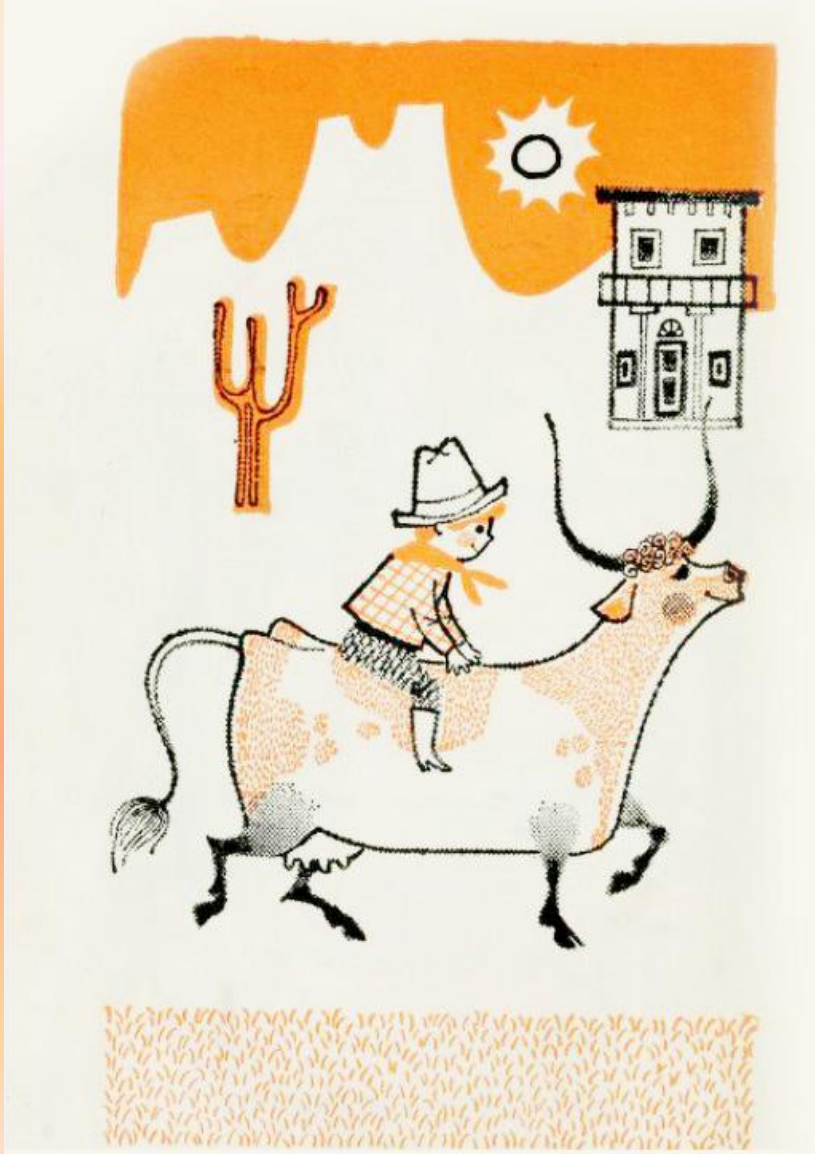

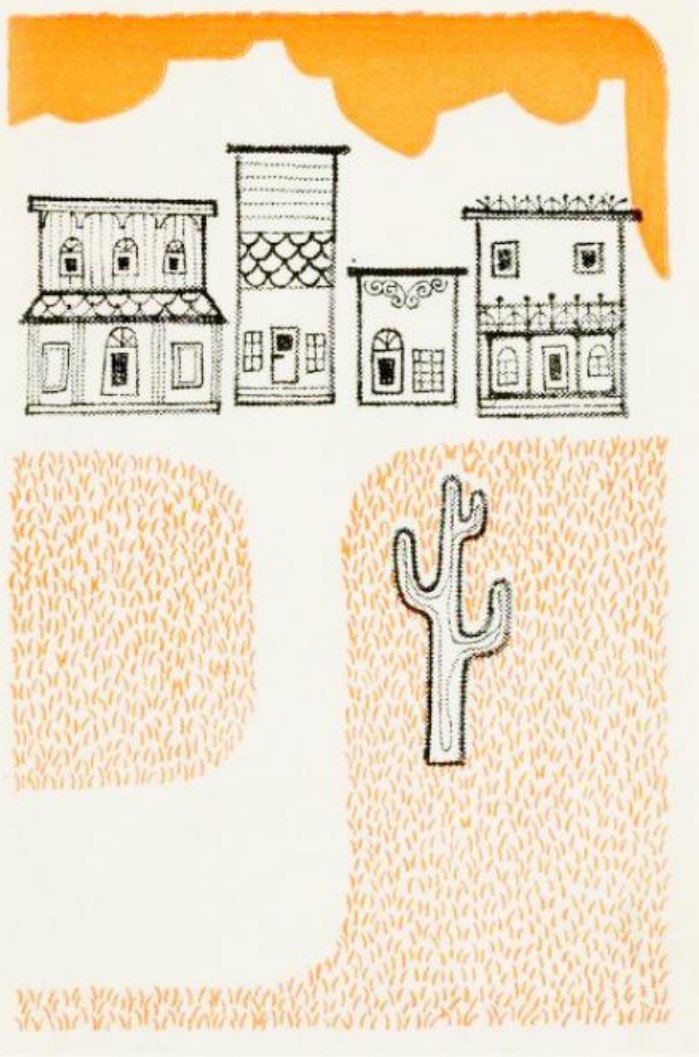

फिर वे दोनों शहर गए.

क्लाइड बहुत खुश था.

"मेरी तरफ देखो!" उसने कहा.

"देखो, अब मैं सवारी कर सकता हूँ!"

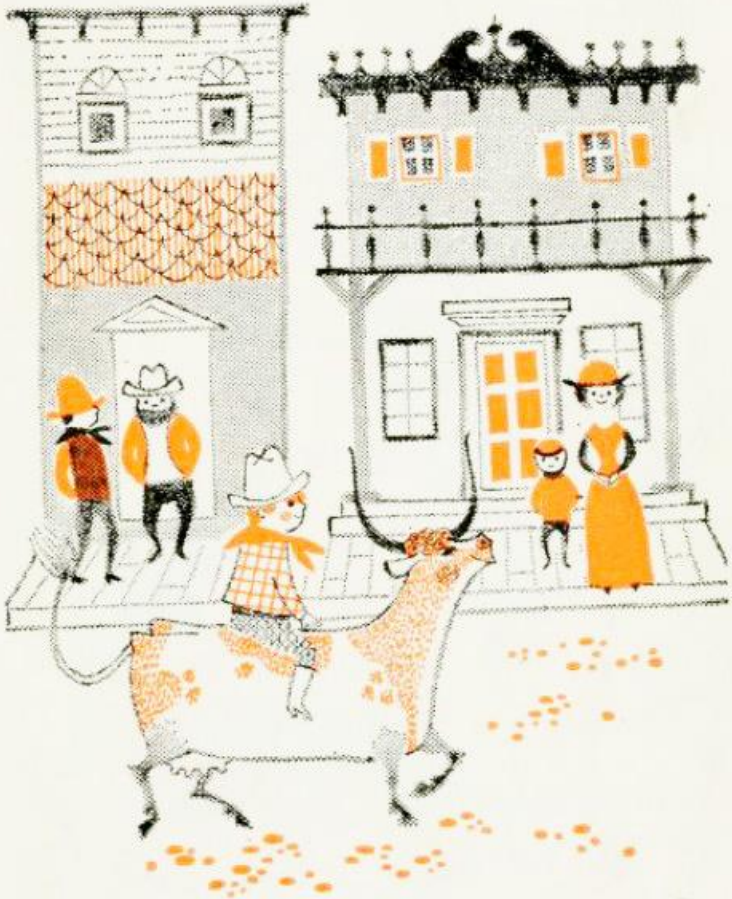

उसके बाद हर दिन क्लाइड

शहर में चारों ओर डेज़ी पर बैठकर घूमा.

कभी-कभी वे दोनों वहां जाते
जहां क्लाइड जाना चाहता था.

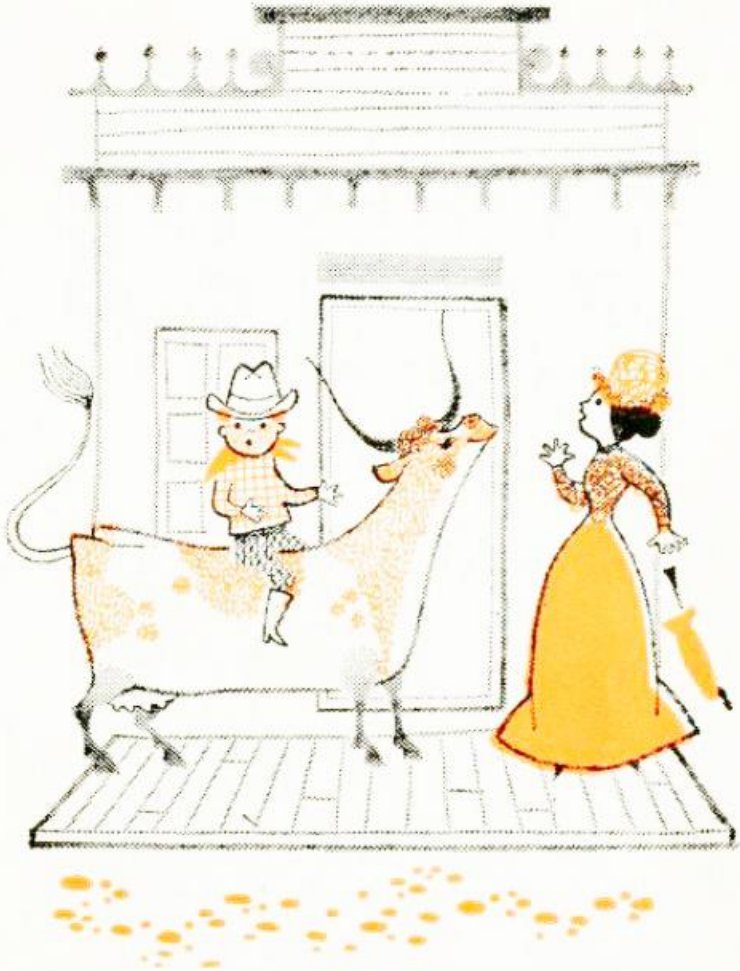

कभी-कभी दोनों वहाँ जाते
जहाँ डेज़ी जाना चाहती थी.

लेकिन कभी-कभी वे कहीं भी नहीं जाते!

पर लोगों को वे दोनों बड़े मजाकिया लगते थे,

सब लोग उन्हें देखकर हँसते थे.

लेकिन क्लाइड खुश था.

और डेज़ी भी खुश थी.

एक दिन दो चोर शहर में आए.

उनके पास बड़ी-बड़ी बंदूकें थीं.

वे एक बैंक में घुसे.

"अपने हाथ ऊपर उठाओ!" वे चिल्लाए.

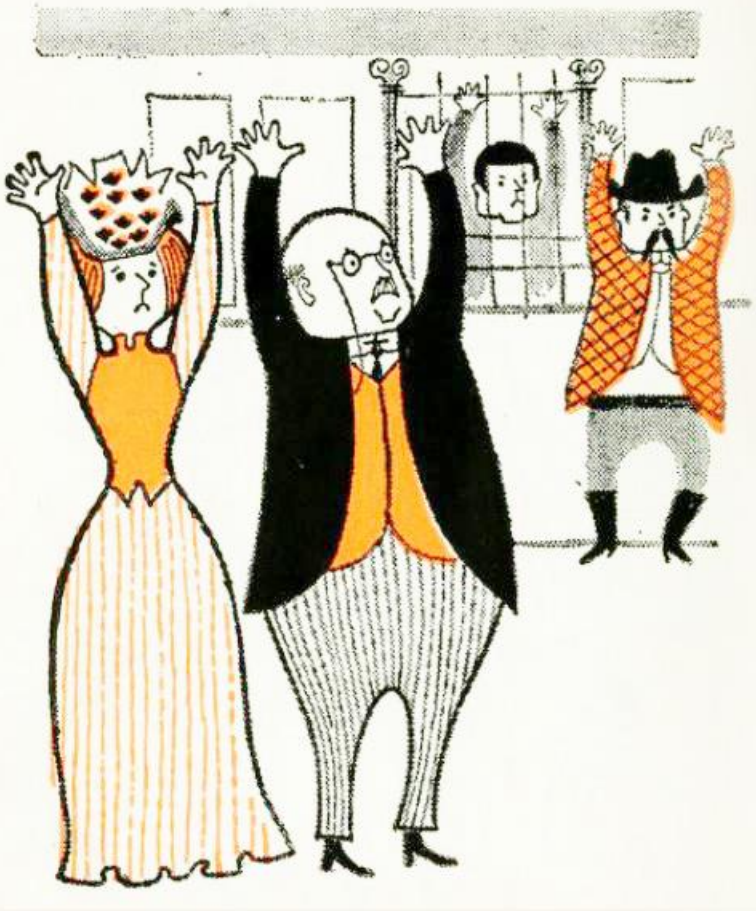

बैंक में सभी लोगो ने बंदूकें देखीं.

फिर उन्होंने अपने-अपने हाथ ऊपर उठाए.

फिर चोरों ने बैंक का पैसा लूटा

उन्होंने बैंक का सारा धन लूटा.

फिर वे दोनों चोर दरवाजे से बाहर निकले.

पर तभी,

अनाड़ी क्लाइड और डेज़ी वहां पहुंचे.

उन्होंने चोरों को देखा.

"रुको, डेज़ी!" क्लाइड ने कहा.

"अब हमें कुछ करना चाहिए!"

डेज़ी रुक गई.

चोरों ने उसे नहीं देखा.

डेज़ी ने अपने सींग उनकी पीठ में दबाए!

चोरों को डेज़ी के सींग, बंदूक जैसे लगे.

"हाथ ऊपर उठाओ!" क्लाइड चिल्लाया.

"अपनी बंदूकें नीचे गिराओ!"

दोनों चोर चुपचाप खड़े रहे.

उन्होंने अपने हाथ ऊपर उठाए.

उन्होंने अपनी बंदूकें नीचे ज़मीन पर फेंक दीं.

डेज़ी ने दोनों चोरों को अपने सींगों से

इस तरह से उठाया!

"चलो, डेज़ी," क्लाइड ने कहा.

"चलो इन्हें जेल लेकर चलते हैं."

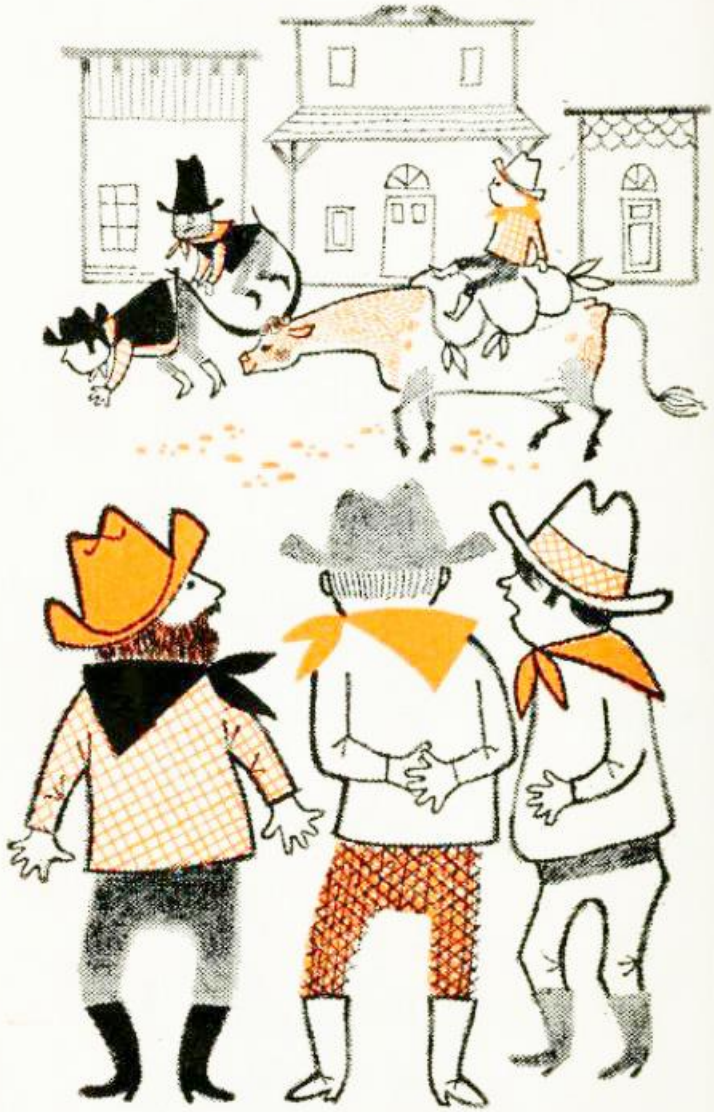

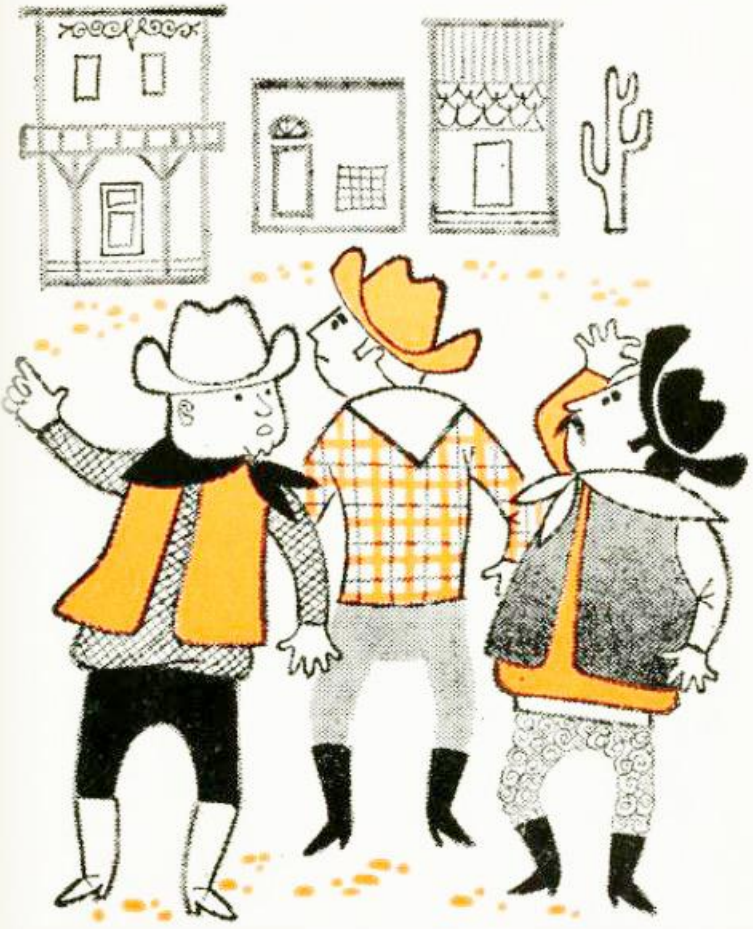

अनाड़ी क्लाइड और चोरों को

सब लोग देखने के लिए दौड़ पड़े

पर इस बार लोग बिल्कुल भी हँसे नहीं.

क्लाइड उन चोरों को जेल ले गया.

उसने चोरों को शेरिफ के हवाले कर दिया.

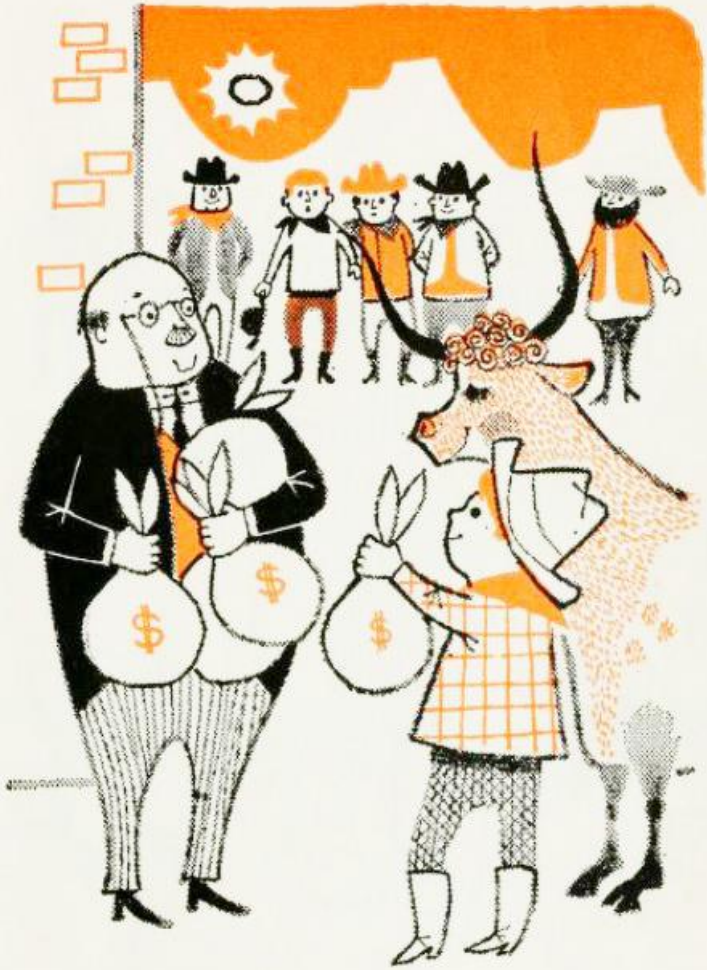

क्लाइड ने बैंक के सारे पैसे

बैंक मैनेजर को वापिस कर दिए.

"धन्यवाद, क्लाइड,"

शेरिफ ने कहा.

"धन्यवाद, क्लाइड,"

बैंक मैनेजर ने कहा.

"धन्यवाद, क्लाइड," सभी लोगों ने कहा.

"कृपा मुझे धन्यवाद मत दो," क्लाइड ने कहा.

"मेरी गाय डेज़ी को धन्यवाद दो."

"उसकी सवारी करो, चरवाहे!" लोगों ने कहा.

उसके बाद से किसी ने उसे

अनाड़ी क्लाइड कहकर नहीं चिढ़ाया.

समाप्त